

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

Resend

सेवामें,

21/10/25

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज
कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली
पूर्व आदेशिका अनुसार आईन्दा दिनांक 20/12/25
को पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज
कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली
पूर्व आदेशिका अनुसार आईन्दा दिनांक 20/12/25
को पेश हो।

30/12/25

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज
कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली
पूर्व आदेशिका अनुसार आईन्दा दिनांक 20/12/25
को पेश हो।

20/01/26

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज
कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्यादि होकर पत्रावली
पूर्व आदेशिका अनुसार आईन्दा दिनांक 17/3/26
को पेश हो।

17/03/26

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपो। पत्रावली पूर्व
आदेशिका की पालना के आईन्दा दिनांक 24/04/26 को पेश हो।

23/03/26

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित। बादीनी
संख्या 03 स्वयं उपस्थित। वकील ने प्रार्थना पत्र
वादी पत्रावली पेशी पर लेने वास्तु पेश किया,
जिसे शामिल पत्रावली किया गया है। वकील
के निवेदन पर पत्रावली पेशी पर ली गई।
वकील ने प्रार्थना पत्र वास्तु वाद विद्वा करत
वास्तु पेश कर निवेदन किया कि उक्त उन्वान
के प्रकरण में वादी व प्रतिवादी के बीच
गंध के मौखिक व्यक्तियों ने शर्जनामा करा
दिया है। अब हमारे बीच किसी प्रकार का
तनाव नहीं है। अब निवेदन है कि उक्त
उन्वान के वाद को विद्वा का आदेश करमावे।
अब निवेदन है कि उक्त उन्वान के वाद को
विद्वा का आदेश करमावे।
वादी के प्रार्थना पत्र को उपस्थित में स्वीकार
किया जाता है। पत्रावली जैसा शर्जनामा विद्वा
की जाती है। पत्रावली केसल शुमार होकर दाखिल
होकर हो। संख्या से एक काम हो।

ली ला
/
 (वकील)

